मेरे जीवन में खुशियों की सदा भरमार हो जाये

मेरे जीवन में खुशियों की सदा,
भरमार हो जाये,
अगर चरणों का राधा रानी के,
दीदार हो जाये।bd।

तर्ज – अगर दिलवर की रुसवाई।

ह्रदय में श्यामसुंदर के,
विराजें राधिका रानी,
छबीली लाडली राधा,
'वो थी कान्हा की दीवानी'-2,
लगे मस्तक पे व्रज रज से मेरा,
उद्धार हो जाये।bd।

बिछाये नैन राहों में,
तेरे दरशन की चाहत है,
पिला दे जाम मस्ती का,
'मिले दिल को जो राहत है"-2,
तेरे दरशन से ये जीवन मेरा,
गुलजार हो जाये।bd।

अगर किरपा जो हो जाये,
वो वृषभानु दुलारी का,
कली मन की भी खिल जाए,
'झलक पा श्यामा प्यारी का'-2,
तो इस भवसिंधु से "परशुराम" भी,
भवपार हो जाये।bd।

मेरे जीवन में खुशियों की सदा,
भरमार हो जाये,
अगर चरणों का राधा रानी के,
दीदार हो जाये।bd।

लेखक एवं प्रेषक – परशुराम उपाध्याय।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com